



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 20, 1971/पौष 30, 1892

No. 8] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 20, 1971/PAUSA 30, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सक।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 20th January 1971

SUBJECT.—*Import Policy for Registered Exporters for the year April 1970—March 1971. (Amendment No. 57).*

No. 8-ITC/PN/71.—Attention is invited to the Import Policy for Registered Exporters contained in Volume II of the Import Trade Control Policy Book for the year April 1970—March 1971, issued under the Ministry of Foreign Trade Public Notice No 48—ITC(PN)/70 dated the 31st March, 1970 as amended from time to time.

2. The following amendments may be made at the appropriate places as indicated below:—

Page No. of the Reference
Red Book
(Vol. II)

Amendments

I	2	3
211	S. 4 Col. 5	Existing remark at (3) may be substituted by the following :— “Precious metal jewellery as described under column 2 will be covered under S. No. S-4 provided the value of precious metal i.e., gold, Silver, Platinum or Palladium is not less than 70 per cent of the total value of metal used therein.”

1	2	3
212	S. 4 Col. 5	The following new remark may be added after the existing remark No. (5) :— “(6)—Studded jewellery containing metals other than Gold, Silver, Platinum or Palladium and studded with diamonds, pearls, precious/semi-precious stones will be grouped under S. 4 for purposes of import replenishment, provided the value of the studdings amount to 90 per cent or above of the total fob value.”

NOTE :—(The above amendments will be applicable with effect from 1-4-70).

211	S. 6	The existing entries relating to S. 6 may be substituted by the following :—		
Col. 1	Col. 2	Col. 3	Col. 4	Col. 5

S. 6 Imitation Jewellery

6.1 Imitation jewellery studded with synthetic/Imitation stones without diamonds, precious or semi-precious stones and pearls.	33½%	(a) Glass beads and false pearls. (b) Rough synthetic stones (other than white and red). (c) Permissible items of machinery, equipment testing apparatus, tools and implements required for gem and jewellery industry for import on AU basis subject to essentiality certificate from competent authority (5%).	1. Only jewellery made of metals other than the precious metals included in S. 4 will be covered by this entry. In other works, only jewellery made of base metals like copper, brass, etc. and studded with synthetic/imitation stones without diamonds, precious stones/semi-precious stones and pearls would fall under S. 6.1. 2. Production of customs attested invoices is not required while claiming replenishment.
--	------	--	--

NOTE :—(The provisions in Note 2 against S. 6.1 will have effect from 1-4-70).

6.2 Imitation Jewellery containing precious metals and studded with diamonds, precious stones/semi-precious stones, pearls, synthetic stones, imitation stones.	33½%	(a) Glass beads and false pearls. (b) Rough synthetic stones (other than white and red). (c) Permissible items of machinery, equipment, testing apparatus, tools and implements required for gem and jewellery industry for import on AU basis subject to essentiality certificate from competent authority (5%).	(1) Jewellery made of alloys containing both precious as well as base metals and not covered by Remarks 3 and 6 in Col. 5 against S. 4 will fall under this entry. (2) Production of Customs attested invoice is essential for claiming replenishment.
---	------	---	---

NOTE :—(The provisions in Note 2 against S. 6.2 will have effect from 1-4-70).

1

2

3

213	SS.1	For "Drilled, bleached/unbleached/processed/unprocessed or polished pearls (real or cultured).
	Col. 2	Substitute "Processed or polished pearls (real or cultured)".

3. Consequent to the above amendment, the item "imitation jewellery studded with synthetic/imitation stones with or without other stones such as diamonds, precious or semi-precious stones and pearls . . . S. 6" appearing at page cii of Index to the aforesaid Policy Book, may be substituted by the following :—

"(i) Imitation jewellery . . . S. 6.

(ii) Imitation Jewellery studded with synthetic/Imitation stones without diamonds, precious or semi-precious stones and pearls . . . S. 6.1.

(iii) Imitation jewellery containing precious metals and studded with diamonds, precious stones/semi-precious stones, pearls, synthetic stones, imitation stones . . . S. 6.2."

4. The entry "Drilled, bleached/unbleached/processed/unprocessed or polished pearls (real or cultured) . . . SS. 1" appearing on page cii of the Index may be substituted by "processed or polished pearls (real or cultured) . . . SS.1."

R. J. REBELLO,
Chief Controller of Imports and Exports

विदेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार निबंधन

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1971

विषय:—बर्ष अप्रैल, 1970 से मार्च, 1971 के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति (संशोधन संख्या 57)

सं० 8-आई० टी० सी० (पी० एन०) / 71 :—विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 48-आई टी सी (पीएन)/70, दिनांक 31-3-1970 के अन्तर्गत जारी की गई आयात व्यापार निबंधन नीति पुस्तक (रैडबुक) के बालुम दो में पंजीकृत निर्यातकों के लिए निहित आयात नीति की और ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2 निम्नलिखित संशोधन नीचे लिखे अनुसार, उपयुक्त स्थानों पर किए जाएं:—

रैडबुक (बालुम-2)

की पृष्ठ संख्या

संदर्भ

संशोधन

1	2	3
211	एस. 4	(3) पर की वर्तमान टिप्पणी निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाए:—
	कालम—5	"कालम 2 के अन्तर्गत उल्लेखनुसार, बहुमूल्य धातु जवाहारात की क्रम संख्या एस-4 के अन्तर्गत शामिल किया जाएगा

1	2	3
		बर्णते कि बहुमूल्य धातु जैसे—स्वर्ण, रजत, प्लेटिनम या पैलेडियम का उसमें दिए गए धातु के कुल प्रंकित मूल्य के 70 प्रतिशत से कम का उपयोग नहीं किया जाता है।”
212	एस. 4 कालम—5	निम्नलिखित नहीं दिव्यणी को वर्तमान दिव्यणी संख्या (5) के बाद जोड़ा जाए:— “(6) जड़ाऊ जवाहरात जिसमें स्वर्ण, रजत, प्लेटिनम या पैलेडियम और जो हीरे, मोती बहुमूल्य/मध्यम पत्थर को छोड़कर अन्य धातुओं को अन्तर्दिष्ट करने वाले जड़ाऊ जवाहरात को आयात पुनः पूर्ति के कार्यों के लिए एस० 4 के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाएगा बशर्ते कि जड़ाऊ की धन राशि का मूल्य एफ० ओ० बी० मूल्य 90 प्रतिशत तक या इससे ऊपर है।”
211	दिव्यणी : एस. 6	(उपयुक्त संशोधन 1-4-1970 से लागू किए जाएंगे)। एस. 6 से सम्बन्धित वर्तमान प्रविष्टियों को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए:—

कालम . 1	कालम . 2	कालम . 3	कालम . 4	कालम . 5
एस. 6	नकली जवाहरात			
6.1	नकली जवाहरात जो कृत्रिम/नकली के हैं और बिना हीरे, बहुमूल्य या मध्यम बहुमूल्य पत्थरों और मोतियों के जड़ाऊ हैं।	33.1/3 प्रतिशत	(क) कांच माला और सूठे मोती । (ख) खुरदुरा कृत्रिम पत्थर (सफेद और लाल को छोड़कर) (ग) संघटक प्राधिकारी से प्राप्त अनिवार्यता प्रमाण पत्र के अधीन वास्तविक उपयोगिता के आधार पर मणि और जवाहरात के उद्योग के लिए आवश्यक मशीनरी, उप-	1 केवल वे जवाहरात जो एस. 4 में अन्तर्दिष्ट बहुमूल्य धातुओं से परे धातुओं से बने हुए हैं, इस प्रविष्टि के अन्तर्गत शामिल किया जाएगे । दूसरे शब्दों में केवल वे जवाहरात जो मूल्य धातु जैसे—तांबा, पीतल आदि और बिना हीरे बहुमूल्य पत्थरों, मध्यम बहुमूल्य पत्थरों और मोतियों के कृत्रिम

1	2	3	4	5
कालम 1	कालम 2	कालम 3	कालम 4	कालम 5
			स्कर, जांच उपकरण, नकली पत्थरों से जड़ित श्रीजार और साधन के हैं, एस 6. 1 के अन्त-अनुज्ञेय मदों के आयात, गंत आएंगे। के लिए (5 प्रतिशत)	2 पुन. पूर्ति का दावा करते समय सीमा-शुल्क कार्यालय द्वारा साक्षात्कृत बीजकों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

टिप्पणी — (टिप्पणी 2 में एस 6. 1 के सामने की गई व्यवस्थाएं 1-4-70 से प्रभावित होंगी।

6. 2	बहुमूल्य धातुएं और हीरों के साथ जड़ित बहुमूल्य पत्थर/मध्यम बहुमूल्य पत्थरों, मोती कृत्रिम पत्थरों, नकली पत्थरों को अन्तर्विष्ट करते हुए नकली जवाहरात	33 1/2 प्रतिशत	(क) कांच माला और झूठे मोती (ख) खुरदरे कृत्रिम पत्थर (सफेद और लाल को छोड़कर) (ग) संघटक प्राधिकारी से प्राप्त अनिवार्यता प्रमाण-पत्र के अधीन वास्तविक उपयोक्ता के आधार पर मणि और जवाहरात के उपयोग के लिए आवश्यक मशीनरी उपकरण, जांच उपकरण श्रीजार और साधन के अनुरोध मदों के आयात के लिए (5 प्रतिशत)	(1) बहुमूल्य और साथ ही साथ मूल धातु दोनों को अन्तर्विष्ट करते हुए और जो एस 4 के सामने कालम 5 में टिप्पणी 3 और 4 में शामिल नहीं किए गए हैं, एलाय से बने हुए जवाहरात इस प्रविष्ट के अन्तर्गत आते हैं। (2) पुन. पूर्ति का दावा करने के लिए सीमा-शुल्क कार्यालय के साक्षात्कृत बीजकों को प्रस्तुत करने अनिवार्य है।
------	--	----------------	--	---

टिप्पणी:—(टिप्पणी 2 में एस 6. 2 के सामने की गई व्यवस्थाएं 1-4-70 से प्रभावित होंगी।)

213	प्राप्त 1	उद्भूत, विरजित/प्रविष्ट/समाधित/अप्रमाधित या पोलिश-द्वारा मोतियों (वास्तविक या संवर्धित) के लिए।
-----	-----------	---

कालम 2

“संसाधित या पोलिशद्वारा मोतियों (वास्तविक या संवर्धित)” को प्रतिस्थापित करें।

3. उपर्युक्त संशोधन के फलस्वरूप, उक्त नीति पुस्तक के सूचक के पृष्ठ 102 पर की मर्दे "नकली जवाहरात जो अन्य पत्थरों जैसे हीरे, बहुमूल्य या माध्यम बहुमूल्य पत्थरों और मोतियों एस. 6 के साथ या उनके बिना कृत्रिम नकली पत्थरों से जड़ित है" उन्हें निम्नलिखित के द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :—

- (1) नकली जवाहरात एस . 6
- (2) हीरे, बहुमूल्य या माध्यम बहुमूल्य पत्थरों और मोतियों एस 6. 1 के बिना कृत्रिम/नकली पत्थरों से जड़ित नकली जवाहरात ।
- (3) बहुमूल्य धातुओं और हीरों, बहुमूल्य/माध्यम बहुमूल्य पत्थरों, मोतियों, कृत्रिम पत्थरों, नकली पत्थरों एस 6. 2 के साथ जड़ित को अन्वेषित करने हुए नकली जवाहरात ।"

4. सूचक के पृष्ठ 102 पर की प्रविष्टि छिद्रयुक्त, विरंजित/अविरंजित/संसाधित/असंसाधित या पोलिशदार मोती (वास्तविक या संबंधित) एस. एस 1 को "संसाधित या पोलिशदार मोतियों (वास्तविक या संबंधित) एस एस 1 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए ।

आर० जे० रबेसो,
मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात ।